

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-848125

बुलेटिन संख्या-५०

दिनांक- मंगलवार, २६ जून, २०२१



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.1 एवं 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 81 प्रतिशत, हवा की औसत गति 11.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.5 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.6 एवं दोपहर में 36.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 67.2 मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(30 जून-04 जुलाई, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 30 जून-04 जुलाई, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में मानसून के मध्यम से घने बादल छाये रह सकते हैं। अगले 1-2 दिनों तक उत्तर बिहार के जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। हलाकि उसके बाद अच्छी वर्षा होने की सम्भावना में वृद्धि हो सकती है तथा अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। एक-दो स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 30-36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 21-26 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरा हवा औसतन 15 से 20 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- पिछले दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में वर्षा हुई है। वर्षा जल का लाभ उठाते हुए जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- जो किसान भाई धान का विचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य ८ जुलाई तक सम्पन्न अवश्य कर लें। धान की अगात किस्में जैसे-प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४, राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें।
- उचाँस जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट-व्याधियों की निगरानी करते रहें।
- खरीफ मक्का की सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद, ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। इसके लिए प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- अरहर की बुआई के लिए उचाँस जमीन की तैयारी करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर, २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ६, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- जो किसान भाई खरीफ प्याज का विचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, उथली क्यारियों में यथाशीघ्र नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए ४०: छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊँचाई पर ढक सकते हैं। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट-व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओं के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे। दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ-साथ सूखा चारा (५०:५०) के अनुपात में खिलायें तथा २०-३० ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें।

आज का अधिकतम तापमान: 34.8 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 25.5 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी